



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रतिभार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 72]
No. 72]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 1, 1986/चैत्र 11, 1908
NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 1, 1986/CHAITRA 11, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 81 आई टी सी (पी एन)/85-88

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1986

विषय :—अप्रैल-1985— 1 मार्च, 1988 के लिए आयात-निर्यात नीति ।

फा. सं. आई पी सी/3/17/85 (खंड II):—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 1-आई टी सी (पी एन)/85-88, दिनांक 12 अप्रैल, 1985 के अन्तर्गत प्रकाशित अप्रैल 1985-मार्च 1988 की यथा संशोधित आयात-निर्यात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है ।

2. नीति में निम्नलिखित संशोधन/शुद्धियां नीचे निर्दिष्ट उपर्युक्त स्थानों पर की गई समझी जाएंगी :—

क्रम सं.	आयात-निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड-1) की पृष्ठ सं.	संदर्भ	संशोधन/शुद्धियां
1	2	3	4
1.	14	अध्याय-3 पैरा 47	इस पैरा ग्राफ का प्रथम वाक्य निम्नलिखित अनुसार संशोधित किया जाएगा:— “47. अनावासी भारतीय/भारतीय मूल के व्यक्ति जो आयात स्ट्राइप्स/सीमा शुल्क परमिट जारी होने की तिथि से 3 महीनों की अवधि

1	2	3	4
			(जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा किसी विशेष कारण से 6 महीने तक बढ़ाई जा सकती है) के भीतर स्थायी रूप से रहने के लिए भारत लौटने का वचन देते हों, उन्हें निम्नलिखित शर्तों के अधीन पूंजीगत माल का आयात करने की अनुमति दी जाएगी :—
2.	15	अध्याय-3 पैरा 48(1)	आठवीं पंक्ति में शब्द और अंक "20 लाख रु." को "35 लाख रुपए" पढ़ा जाएगा।
3.	15	अध्याय -3 पैरा 49(1)	यह उप पैरा निम्नलिखित अनुसार संशोधित किया जाएगा :— "49(1), अनावासी भारतीय/भारत मूल के व्यक्ति जो आयात लाइसेंस/सीमाशुल्क निकासी परमिट जारी होने की तिथि से तीन महीनों की अवधि (जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा किसी विशेष कारण से 6 महीने तक बढ़ाई जा सकती है) के भीतर स्थायी रूप से रहने के लिए भारत लौटने का वचन देते हों और भारत में इलेक्ट्रॉनिकी उद्योग लगाना चाहते हों अथवा इलेक्ट्रॉनिकी उद्योग में पूंजी लगाना चाहते हों, इसमें विद्यमान इलेक्ट्रॉनिकी उद्योग के विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण के लिए उनके द्वारा पूंजी लगाना भी शामिल है, उन्हें इस उद्देश्य के लिए मशीनरी का आयात करने की अनुमति खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत दी जाएगी।"
4.	26	अध्याय-5	विद्यमान पैरा 85(2) के बाद निम्नलिखित नया पैरा जोड़ा जाएगा:— "85 क. उपर्युक्त पैरा 82,84 या 85 के अधीन जारी किया गया परिपूरक लाइसेंस अपने सारे मूल्य के भीतर और लाइसेंस वैधता अवधि के भीतर लाइसेंस धारी द्वारा उसकी अपनी फैक्टरी में अपेक्षित परिशिष्ट-3 में प्रदर्शित किसी भी मद (परन्तु परिशिष्ट-2, नहीं) जैसे कच्चा माल, संघटक और उपभोग्य (जिसमें उपभोग्य औजार भी शामिल हैं) के आयात के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन वैध होगा:— (1) ऐसी एकल मद का आयात जिसका मूल्य 2 लाख रुपए (लागत बीमा भाड़ा) से अधिक नहीं हो। (2) ऐसी आयातित सभी मर्चों का कुल मूल्य परिपूरक लाइसेंस के सारे मूल्य के 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होता हो और जो अधिकतम 10 लाख रुपए की शर्त के अधीन हो। (3) एकल मद का वही अर्थ है जो इस नीति के पैरा 7(16) में दिया गया है। (4) एकल मद के लिए 2 लाख रुपए की उपर्युक्त मूल्य सीमा परिशिष्ट-3 में प्रविष्टि सं. 607 के अधीन सम्मिलित की गई सारी इलेक्ट्रॉनिकी मर्चों के लिए भी लागू होगी, परन्तु उप प्रविष्टि के अधीन दी गई मदों का आयात 50,000 रुपए से अधिक नहीं होगा। (5) एकल मद के लिए 2 लाख रुपए की उपर्युक्त मूल्य सीमा परिशिष्ट 3 भाग "क" में प्रविष्टि सं. 590 के अधीन सम्मिलित की गई सारी औजार की मर्चों के लिए भी लागू होगी, परन्तु उप प्रविष्टि के अधीन दी गई मर्चों का आयात 50,000 रुपए से अधिक नहीं होगा। (6) इस नम्यता उपबन्ध के अधीन हकदारी की गणना लोहा और इस्पात की मर्चों और अलोह और इस्पात की मर्चों में से की जाएगी और वह अर्धपरिवर्तनीय नहीं होगी।"

1	2	3	4
5.	30	अध्याय -5 पैरा - 99	इस पैरे का पहला वाक्य नीचे अनुसार संशोधित किया जाएगा :— “99. अप्रवासी भारतीय/भारतीय मूल के वे व्यक्ति जो आयात लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट के जारी होने की तारीख से 3 महीने की अवधि (जो किन्हीं विशेष कारणों से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा 6 महीने तक बढ़ाई जा सकती है) के भीतर स्थायी निवास के लिए भारत वापस आने का वचन देते हैं और वे सरकारी लागू औद्योगिक नीति के अनुरूप नया उद्योग स्थापित करने का वचन देते हैं या औद्योगिक नीति के ढाँचे के भीतर विद्यमान एकक के विस्तार या विविधिकरण में भाग लेने का वचन देते हैं; या वे सेवा यूनिट स्थापित करना चाहते हैं तो उन्हें तीन वर्षों (एक बार में एक वर्ष) की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए इस नीति के अधीन कच्चे माल, संघटकों, उपभोज्य और फालतू पुर्जों का आयात करने के लिए अनुमति दी जाएगी, जो प्रत्येक वर्ष के लिए 5 लाख रुपये की अधिकतम मूल्य सीमा के अधीन होगी बशर्ते कि ऐसा कच्चा माल, संघटक, उपभोज्य सामग्री और फालतू पुर्जे आवेदक की विदेश में कमाई गई विदेशी मुद्रा में से खरीदा गया हो।
6.	37	अध्याय- 6 पैरा 125	वर्तमान पैरा 125 की संख्या “125(1)” रखी जाएगी।
7.	37	अध्याय-6	वर्तमान उप-पैरा 125(1) के बाद निम्नलिखित नया उप-पैरा जोड़ा जाएगा :— “(2) वाहन विनिर्माताओं को अपने गैरजों या प्राधिकृत व्यापारियों की आवश्यकताओं की मदों को बढ़ाने और उनकी ओर से यन्त्रों और उपस्करों को आयात करने की अनुमति की सुविधा दी जाएगी। देशज उपलब्ध मदों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी। आवेदन पत्र सम्बन्ध प्रायोजक प्राधिकारी के माध्यम से मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात (आयात नीति सैल) को भेजे जाएं।”
8.	54	अध्याय-11 पैरा 166	इस पैरे का पहला वाक्य नीचे अनुसार संशोधित किया जाएगा :— “166 अप्रवासी भारतीय/भारतीय मूल के वे व्यक्ति जो आयात लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट के जारी होने की तारीख से 3 महीने की अवधि (जो किन्हीं विशेष कारणों से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा 6 महीने तक बढ़ाई जा सकती है) के भीतर स्थायी निवास के लिए अपने देश आने का वचन देते हैं उन्हें पूंजीगत माल, कच्चे माल, संघटकों, उपभोज्य और फालतू पुर्जों का आयात करने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते कि :—
9.	55	अध्याय-11 पैरा - 167	इस पैरे का पहला वाक्य नीचे अनुसार संशोधित किया जाएगा :— “167 अप्रवासी भारतीय/भारतीय मूल के वे व्यक्ति जो आयात लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट के जारी होने की तारीख से 3 महीने की अवधि (जो किन्हीं विशेष कारणों से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली द्वारा 6 महीने तक बढ़ाई जा सकती है) के भीतर स्थायी निवास के लिए अपने देश में आने का वचन देते हैं, उन्हें निम्न लिखित शर्तों के अधीन आमोद-प्रमोद पार्क लगाने की सुविधा दी जाएगी।

1	2	3	4
10.	55	अध्याय -11 पैरा 168	इस पैरे का पहला वाक्य नीचे अनुसार संशोधित किया जाएगा :— “168 आवेदक की अपनी विदेश से कमाई गई विदेशी मुद्रा में से या स्त्रोतों से खरीदी गई कृषि उत्पादन/विकास के लिए अपेक्षित मशीनरी का आयात भी उन अप्रवासी भारतीयों/भारतीय मूल के व्यक्तियों को अनुमति किया जाएगा जो आयात लाइसेंस/सीमा शुल्क निकासी परमिट के जारी होने की तारीख से 3 महीने की अवधि (जो किन्हीं विशेष कारणों से मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात नई दिल्ली द्वारा 6 महीने तक बढ़ायी जा सकती है) के भीतर स्थायी निवास के लिए अपने देश आने का वचन देते हैं।
11.	115	परिशिष्ट-1, भाग -ख प्रविष्टि सं. 18, भाग -1, उप-प्रविष्टि सं. (11)	इस उप-प्रविष्टि में प्रदर्शित शब्द “फिल्टर्स” को “फिलर्स” पढ़ा जाएगा।
12.	154	परिशिष्ट-5, भाग-क प्रविष्टि सं. 36 (2)	“स्टील” शब्द के बाद “मैलिङ्ग” शब्द जोड़ा जाएगा
13.	173	परिशिष्ट-6, सूची-2	वर्तमान प्रविष्टि सं. 49 के बाद निम्नलिखित नयी प्रविष्टि जोड़ी जाएगी “50. संरक्षी जैल में भिगोई हुई सर्न चिकित्सा ड्रेसिंग।”
14.	213	परिशिष्ट-7 खुला सामान्य लाइसेंस सं. 4	भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय के खुले सामान्य लाइसेंस सं. 4/85, दिनांक 12 अप्रैल, 1985 की संख्या और तिथि “4/86, दिनांक 1 अप्रैल, 1986 के रूप में की जाएगी।
15.	214	परिशिष्ट-7 खुला सामान्य लाइसेंस सं. 4	उप-पैरा (16) निम्नलिखित अनुसार संशोधित किया जाएगा :— “(16) यह लाइसेंस आयात व्यापार नियंत्रण आदेश सं. 4/85-88 दिनांक 12 अप्रैल, 1985 द्वारा प्रकाशित खुले सामान्य लाइसेंस सं. 4/85 के अतिक्रमण में हैं।”

3. वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 2-आईटीसी (पीएन)/85—88, दिनांक 12 अप्रैल, 1985 के अन्तर्गत प्रकाशित आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक, 1985-88 की ओर भी ध्यान दिलाया जाता है। प्रक्रिया पुस्तक में निम्नलिखित संशोधित नीचे निविष्ट उपयुक्त स्थानों पर किए जाएंगे :—

क्रम सं.	आयात निर्यात प्रक्रिया पुस्तक 1985-88 की पृष्ठ सं.	संदर्भ	संशोधन/शुद्धियां
1	2	3	4
1.	247	परिशिष्ट-14-क पंजीकरण प्राधिकारियों की सूची, क्रम सं. 33	वर्तमान क्रम सं. 33 में कालम 2 और 3 की प्रविष्टियां निम्नलिखित अनुसार ठीक की जाएंगी :— निर्यात उत्पाद पंजीकरण प्राधिकारी “उपयुक्त क्रम सं. 14, 16 और 24 में शामिल हथकरघा उत्पाद हथकरघा निर्यात संवर्धन परिषद “रशीद मेन्शन,” 622, अन्ना सलाय, पोस्ट बैग-461, मद्रास-600006 और VVil/784-85, देश बन्धु गुप्ता रोड, करोल बाग नई दिल्ली 110005 में इसके क्षेत्रीय कार्यालय।”

4. आयात-निर्यात नीति और आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक में उपर्युक्त संशोधन/शुद्धियाँ लोकहित में किए गए हैं।

राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक,
आयात निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE No. 81—ITC(PN)/85—88

New Delhi, the 1st April, 1986

Subject : Import and Export Policy for April 1985—March 1988.

F. No. IPC/3/17/85 (Vol. II) :—Attention is invited to the Import and Export Policy for April 1985—March 1988, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. I-ITC(PN)/85—88 dated the 12th April, 1985 as amended.

2. The following amendments/corrections shall be made in the Policy at appropriate Places indicated below :—

Sl. No.	Page No. of Import & Export Policy, 1985—88 (Volume I)	Reference	Amendment/Correction
1	2	3	4
1.	14	Chapter III Para 47	The first sentence of this paragraph shall be amended as under :— “47. Non-resident Indians/persons of Indian origin who undertake to return home for permanent settlement within a period of 3 months from the date of issue of import licence/CCP (which can be extended upto six months by the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi for any special reason) will be allowed to import Capital Goods subject to the following conditions:—”
2.	15	Chapter III Para 48(1)	In the eighth line the words and figures “Rs. 20 lakhs” shall read as “Rs. 35 lakhs”.
3.	15	Chapter III Para 49(1)	This sub-para shall be amended as under :— “49(1). Non-resident Indians/persons of Indian origin who undertake to return home for permanent settlement within a period of 3 months from the date of issue of import licence/CCP (which can be extended upto six months by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for any special reason) and wish to set up an electronic industry, or investing in an electronics industry in India, including their investment for the expansion, diversification or modernisation of an existing electronics industry, will be allowed to import machinery for this purpose under Open General Licence.”

1	2	3	4
4.	26	Chapter V	<p>After the existing paragraph 85(2), the following new paragraph shall be added :—</p> <p>“85A. The Supplementary Licence, issued under Paras 82, 84 or 85 above, shall be valid, within its overall value and within the validity period of the licence, for import of any item appearing in Appendix 3 (but not Appendix 2) required by the licence holder for use in his factory as raw-materials, components and consumables (including consumable tools), subject to the following conditions:—</p> <ul style="list-style-type: none"> (i) the import of a single item does not exceed Rs. 2 lakhs in value (c.i.f.); (ii) the total value of all such items imported does not exceed 5% of the overall value of the Supplementary licence, subject to a maximum of Rs. 10 lakhs; (iii) a single item will have the same meaning as given in Para 7(16) of this Policy; (iv) the said value limit of Rs. 2 lakhs for a single item will also apply to the totality of electronic items included under Entry No. 607 in Appendix 3, Part A but the import of the items appearing under a Sub-entry will not exceed Rs. 50,000/-; (v) the said value limit of Rs. 2 lakhs for a single item will also apply to the totality of tools included under Entry No. 590 in Appendix 3, Part A but the import of the items appearing under a Sub-entry will not exceed Rs. 50,000/-; (vi) entitlement under this flexibility provision will be worked out separately for Iron & Steel items and non-iron and steel items and the same will not be interchangeable.”
5.	30	Chapter V Para 99	<p>The first sentence of this paragraph shall be amended as under :—</p> <p>“99. Non-Resident Indians/persons of Indian origin who undertake to return to India for permanent settlement within a period of three months from the date of issue of import licence/CCP (which can be extended upto six months by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, for any special reason) and they undertake to set up a new industry which conforms to the Government Industrial policy in force or participate in the expansion or diversification of an existing unit within the framework of industrial policy; or they wish to set up a servicing unit, will be allowed to import raw materials, components, consumables and spares under this policy for meeting the requirements of three years (one year at a time), subject to a</p>

1	2	3	4
			maximum of Rs. 5 lakhs in value for each year, provided such raw materials, components, consumables and spares are purchased out of the applicant's foreign exchange earnings abroad."
6.	37	Chapter VI Para 125	The existing Para 125 shall be numbered as "125(1)".
7.	37	Chapter VI	After the existing Sub-para 125(1) the following new Sub-paragraph shall be added :— “(2). A vehicle manufacturer may be allowed the facility of bulking the requirements of their garages or authorised dealers and importing tools and equipment on their behalf. Import of items, indigenously available, will not be allowed. Applications may be made to the Chief Controller of Imports & Exports (Import Policy Cell) through the concerned sponsoring authority.”
8.	54	Chapter XI Para 166	The first sentence of this paragraph shall be amended as under :— “166. Non-resident Indians/persons of Indian origin who undertake to return home for permanent settlement within a period of 3 months from the date of issue of import licence/CCP (which can be extended upto six months by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for any special reason) will be allowed to import capital goods, raw materials, components, consumables and spares, provided:—”
9.	55	Chapter XI Para 167	The first sentence of this paragraph shall be amended as under :— “167. Non-resident Indians/persons of Indian origin who undertake to return home for permanent settlement within a period of 3 months from the date of issue of import licences/CCP (which can be extended upto six months by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, for any special reason) will be allowed the facility of setting-up amusement park, subject to the following conditions:—”
10.	55	Chapter XI Para 168	The first sentence of this paragraph shall be amended as under :— “168. Import of machinery required for agricultural production/development, purchase out of applicant's own foreign exchange earnings and resources abroad will also be allowed to Non-resident Indians/persons of Indian origin, who undertake to return home for permanent settlement within a period of 3 months from the date of issue of import licence/CCP (which can be extended upto six months by the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for any special reason, subject to the conditions laid down”.

1	2	3	4
11.	115	appendix 1 Part 8, Entry No. 18— Part-I Sub-Entry No. (11)	The word “Filters” appearing in this sub-entry shall read “Fillers”.
12.	154	Appendix 5, Part A, Entry No. 36 (ii)	After the word “steel”, the word “melting” shall be added.
13.	173	Appendix 6, List 2	After the existing Entry No. 49, the following new entry shall be added :— “50. Burn therapy dressing soaked in protective jal”.
14.	213	Appendix 7 Open General Licence No. 4	“The No. and date of the Government of India, Ministry of Commerce—Open General Licence No. 4/85 dt. 12th April, 1985 shall be amended as “No. 4/86 dated 1st April, 1986”.
15.	214	Appendix 7 Open General Licence No. 4	Sub-para (16) shall be amended as under :— “(16) This licence is in supersession of Open General Licence No. 4/85 published vide Import Trade Control Order No. 4/85-88 dated the 12th April, 1985.”

3. Attention is also invited to the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 2-ITC (PN)/85-88 dated the 12th April, 1985. The following amendment/correction shall be made in the said Hand Book at the appropriate places as indicated below :—

Sl. No.	Page No. of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985-88	Reference	Amendment/Correction				
1	2	3	4				
1.	247	Appendix XIV-A, List of Registering Authorities Sl. No. 33	The entries in Columns 2 and 3 at the existing Sl. No. 33 shall be corrected as under :— <table><tr><td>Export Product</td><td>Registering Authorities</td></tr><tr><td>“Handlooms products covered by Sl. Nos. 14, 16 and 24 above”</td><td>Handloom Export Promotion Council, ‘Rasheed Mansion’ 622, Anna Salai, Post Bag : 461, Madras—600 006 and its regional office at XVI 784-785, D.B. Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi-110 005.”</td></tr></table>	Export Product	Registering Authorities	“Handlooms products covered by Sl. Nos. 14, 16 and 24 above”	Handloom Export Promotion Council, ‘Rasheed Mansion’ 622, Anna Salai, Post Bag : 461, Madras—600 006 and its regional office at XVI 784-785, D.B. Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi-110 005.”
Export Product	Registering Authorities						
“Handlooms products covered by Sl. Nos. 14, 16 and 24 above”	Handloom Export Promotion Council, ‘Rasheed Mansion’ 622, Anna Salai, Post Bag : 461, Madras—600 006 and its regional office at XVI 784-785, D.B. Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi-110 005.”						

4. The above amendments/corrections in the Import and Export Policy and Hand Book of Import and Export Procedures have been made in the public interest.

R.L. MISRA, Chief Controller of Imports and Exports